भारत सरकार

आयुष मंत्रालय

लोक सभा

अतारांकित प्रश्न सं.1411

10 फरवरी, 2023 को पूछे जाने वाले प्रश्न का उत्तर

कोविड-19 रोगियों का आयुष उपचार

1411. श्री सुधीर गुप्ता :
श्री बिद्युत बरन महतो:
श्री प्रतावराव जाधव:
श्री श्रीरंग आप्पा बारणे:
श्री धैर्यशील संभाजीराव माणे:
श्री संजय सदाशिवराव मांडलिक:

क्या आयुष मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) क्या सरकार ने देश के कुछ विश्वविद्यालयों के सहयोग से तथा केन्द्रीय सिद्ध अनुसंधान संस्थान की सहायता लेकर कोविड-19 महामारी के दौरान घर पर अलग किये गये तथा आयुष उपचार की परिचर्या लेने वाले रोगियों के बारे में आंकड़े एकत्र किए हैं और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा/निष्कर्ष क्या हैं;

(ख) क्या उक्त में से केवल 0.5 प्रतिशत रोगियों को ही उपचार के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया था और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;

(ग) क्या अखिल भारतीय आयुर्वेद संस्थान ने क्यूबा यूनिवर्सिटी ऑफ मेडिकल साइंसेज के साथ एक समझौता-ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए हैं और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;

(घ) देश और दुनिया भर में और अधिक आयुष केंद्र स्थापित करने के लिए क्या कदम उठाए गए हैं/उठाए जा रहे हैं; और

(ङ) क्या सरकार का यह विश्लेषण करने के लिए आयुर्वेदिक उपचार अधिक प्रभावी है, कोविड-19 रोगियों पर आयुर्वेदिक उपचार के प्रभाव पर अनुसंधान कार्य करने का विचार है और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है?

उत्तर

आयुष मंत्री (श्री सर्बानंद सोणोवाल)

(क) और (ख): जी हां। केंद्रीय सिद्ध अनुसंधान परिषद (सीसीआरएस) ने अपने सभी परिधीय संस्थानों और नैदानिक अनुसंधान इकाइयों के माध्यम से आयुष संजीवनी मोबाइल ऐप सीटीआरआई/2021/05/033623 [16/05/2021 को पंजीकृत] के माध्यम से होम आइसोलेशन के बिना लक्षण और हल्के से मध्यम लक्षण वाले कोविड-19 रोगियों में ''चयनित आयुष उपचारों कबासुर कुडिनीर (केएसके) की प्रभावकारिता का प्रलेखन'' किया।

यह अध्ययन एक ओपन लेबल प्रोस्पेक्टिव समुदाय-आधारित अध्ययन के रूप में किया गया था, जिसे मोबाइल आधारित एप्लिकेशन यानी आयुष संजीवनी ऐप के माध्यम से आंकड़े एकत्र करने हेतु पूर्व-निर्धारित क्लोज एंडेड और कुछ ओपन-एंडेड प्रश्नों पर आधारित अध्ययन के वांछित उद्देश्य हासिल करने के लिए डिज़ाइन किया गया है। इस ऐप में आंकड़ों को इलाज करने वाले चिकित्सकों द्वारा पहले से तैयार प्रारूप में भरा गया था।

कबासुर कुडिनीर के राष्ट्रव्यापी वितरण के लिए आयुष संजीवनी ऐप के माध्यम से दिन 1, 7वें दिन, 14वें दिन और 21वें दिन के लिए डेटा फॉलोअप फॉर्म में रोगी के नामांकन का प्रलेखन किया गया है। आयुष संजीवनी ऐप के माध्यम से देश भर में बिना लक्षण वाले और हल्के लक्षण वाले कोविड-19 के मामलों में 30,000 मामलों के लिए कबासुर कुडिनीर के राष्ट्रव्यापी वितरण का प्रलेखन किया गया है।

परिणाम:

अध्ययन के एक अप्रकाशित आंकड़े से पता चलता है कि लक्षणों में महत्वपूर्ण कमी आई और स्वास्थ्य स्थिति के मापदंडों में अच्छा सुधार हुआ। 26.9% 7वें दिन बेसलाइन लक्षणों से स्वस्थ हो गए, 44.4% 14वें दिन बेसलाइन लक्षणों से स्वस्थ हो गए, 61 % 21वें दिन बेसलाइन लक्षणों से स्वस्थ हो गए। केवल 0.1% को ऑक्सीजन सपोर्ट की जरूरत पड़ी और 0.3% को अस्पताल में भर्ती होने की जरूरत पड़ी।

(ग): जी हां। अखिल भारतीय आयुर्वेद संस्थान (एआईआईए), जो आयुष मंत्रालय, भारत सरकार के तहत एक स्वायत्त संस्थान है, ने आयुर्वेद में अकादमिक सहयोग की स्थापना के लिए एआईआईए गोवा में 10 दिसंबर 2022 को भारत के माननीय प्रधान मंत्री द्वारा इसके उद्घाटन के दौरान **यूनिवर्सिटी ऑफ मेडिकल साइंसेज ऑफ हवाना या यूनिवर्सिडाड डी सीनसीएस मेडिकास डी ला हबाना (यूसीएमएच), क्यूबा गणराज्य** के साथ समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए हैं।

(घ): चूंकि जन-स्वास्थ्य राज्य का विषय है, इसलिए देश में आयुष केन्द्रों की स्थापना करना संबंधित राज्य/संघ राज्य क्षेत्र सरकारों के क्षेत्राधिकार में आता है। तथापि, राष्ट्रीय आयुष मिशन (एनएएम) की केन्द्रीय प्रायोजित योजना के अंतर्गत 50/30/10 बिस्तरों वाले एकीकृत आयुष अस्पतालों की स्थापना के लिए वित्तीय सहायता का प्रावधान है। राज्य सरकार इसे एनएएम के दिशानिर्देशों के प्रावधानों के अनुसार राज्य वार्षिक कार्य योजना (एसएएपी) के माध्यम से प्रस्तुत करके पात्र वित्तीय सहायता प्राप्त कर सकती है।

आयुष मंत्रालय ने समग्र और निवारक स्वास्थ्य देखभाल के लिए क्यूबा के पहले आयुर्वेद केंद्र (यानी पंचकर्म केंद्र) की स्थापना में सहायता प्रदान की है, जिसका उद्घाटन 6 नवंबर 2019 को हवाना (क्यूबा) में भारत के आयुष मंत्रालय और क्यूबा के जन-स्वास्थ्य मंत्रालय (एमआईएनएसएपी) के बीच हुए समझौता ज्ञापन के तत्वावधान में किया गया था। आयुष मंत्रालय ने 2019 में क्यूबा में इस केंद्र में एक आयुर्वेद विशेषज्ञ को भी नियुक्त किया और साथ ही पंचकर्म केंद्र के लिए स्वास्थ्य मंत्रालय, क्यूबा को आयुर्वेदिक दवाओं की आपूर्ति की।

(ङ): आयुष मंत्रालय ने प्रोफेसर भूषण पटवर्धन की अध्यक्षता में एक अंतर-विषयक आयुष अनुसंधान एवं विकास कार्यदल का गठन किया है और इसमें भारतीय चिकित्सा अनुसंधान परिषद (आईसीएमआर), जैव प्रौद्योगिकी विभाग (डीबीटी), वैज्ञानिक एवं औद्योगिक अनुसंधान परिषद (सीएसआईआर), अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान (एम्स) और आयुष संस्थानों के वैज्ञानिकों का प्रतिनिधित्व है। अंतर-विषयक आयुष अनुसंधान एवं विकास कार्यदल ने चार अलग-अलग उपचारों अर्थात् अश्वगंधा, यष्टिमधु, गुडुची और पिप्पली

और एक पॉली हर्बल फॉर्मूलेशन (आयुष-64) का अध्ययन करने के लिए देश भर के विभिन्न संगठनों के जाने-माने विशेषज्ञों की गहन समीक्षा और परामर्श प्रक्रिया के माध्यम से कोविड-19 के पॉजिटिव मामलों में रोगनिरोधी अध्ययन और सहायक उपचार के लिए नैदानिक अनुसंधान प्रोटोकॉल तैयार और डिजाइन किए हैं।

आयुष मंत्रालय ने साक्ष्य प्राप्त करने के लिए आयुर्वेद, सिद्ध, यूनानी और होम्योपैथी पद्धतियों के माध्यम से कोविड-19 पर अनुसंधान करने के लिए राजपत्र अधिसूचना जारी की, जिसमें रोगनिरोधी उपाय, क्वारंटीन के दौरान उपचार, कोविड-19 के बिना लक्षण और लक्षण वाले मामले, जन-स्वास्थ्य अनुसंधान, सर्वेक्षण, प्रयोगशाला आधारित अनुसंधान आदि शामिल हैं।

आयुष मंत्रालय ने कार्यदल की सिफारिशों के आधार पर कोविड-19 के लिए आयुष उपचारों से जुड़े अंतर-विषयक अध्ययन भी शुरू किए हैं। विभिन्न अनुसंधान संगठनों और आयुष मंत्रालय के अधीन राष्ट्रीय संस्थानों के तहत, आयुष उपचारों पर देश में 150 शोध अध्ययन किए जा रहे हैं।

*****